No. of Printed Pages : 7

MAE-001

POST GRADUATE CERTIFICATE IN ADULT EDUCATION/POST GRADUATE DIPLOMA IN ADULT EDUCATION/MASTER OF ARTS IN ADULT EDUCATION/MASTER OF ARTS (EDUCATION)

(PGCAE/PGDAE/MAAE/MAEDU)

Term-End Examination

June, 2020

MAE-001 : UNDERSTANDING ADULT EDUCATION

Time : 3 Hours *Weightage : 70%*

Note : *(i) All the four questions are compulsory.*

(ii) All questions carry equal weightage.

P. T. O.

Part—A

1. Answer the following question in about **600** words :

   (a) Compare lifelong education and recurrent education.

   Or

   (b) Discuss the significant developments in adult education from 1978 onwards in India.

2. Answer the following question in about **600** words :

   Discuss different philosophical traditions and their relevance to adult education.

   Or

   What are different approaches to motivation of adult learners ? Explain their relevance to implementation of adult education programmes.

3. Write short notes on any *four* of the following :

   (a) Different forms of communication.

   (b) Different components of communication strategy.

   (c) Objectives and goals of adult education.

   (d) Literacy Initiative for Empowerment (LIFE).

   (e) Relevance of psychology to adult learning.

   (f) Relevance of structural-functionalism to adult education.

4. Answer the following question in about **600** words :

   What are different approaches to participatory evaluation ? How do you apply them in context of adult education in India ?

एम.ए.ई.-001

प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक प्रमाण-पत्र/प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक डिप्लोमा/प्रौढ़ शिक्षा में परास्नातक/शिक्षा में परास्नातक (पी. जी. सी. ए. ई./पी. जी. डी. ए. ई./एम. ए. ए. ई./एम. ए. ई. डी. यू.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2020

एम.ए.ई.-001 : प्रौढ़ शिक्षा को समझना (अन्डरस्टैंडिंग एडल्ट एजूकेशन)

समय : 3 घण्टे *भारिता : 70%*

नोट : (i) सभी चारों प्रश्न अनिवार्य हैं।

(ii) सभी प्रश्नों की भारिता समान है।

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

(क) जीवनपर्यन्त शिक्षा और आवर्ती/पुनरावर्ती शिक्षा (लाइफलांग एजूकेशन एण्ड रिकरेन्ट एजूकेशन) की तुलना कीजिए।

अथवा

(ख) भारत में 1978 और उससे आगे के काल में प्रौढ़ शिक्षा में हुए महत्वपूर्ण विकास की विवेचना कीजिए।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

विभिन्न दार्शनिक परम्पराओं और प्रौढ़ शिक्षा के लिए उनकी प्रासंगिकता की विवेचना कीजिए।

अथवा

प्रौढ़ शिक्षार्थियों की अभिप्रेरणा के विभिन्न उपागम कौन-से हैं ? प्रौढ़ शिक्षा कार्यक्रमों के क्रियान्वयन में उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** पर (प्रत्येक लगभग **150** शब्दों में) टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) सम्प्रेषण/संचार के विभिन्न रूप।

(ख) सम्प्रेषण/संचार रणनीति के विभिन्न घटक।

(ग) प्रौढ़ शिक्षा के उद्देश्य और लक्ष्य।

(घ) सशक्तिकरण के लिए साक्षरता उपक्रमण/पहल (इनीशिएटिव) (एल. आई. एफ. ई.-लिटरेसी इनीशिएटिव फॉर इम्पावरमेंट)।

(ङ) प्रौढ़-अधिगम के लिए मनोविज्ञान की प्रासंगिकता।

(च) प्रौढ़ शिक्षा के संरचनात्मक प्रकार्यवाद (स्ट्रक्चरल फंक्शनलिज्म) की प्रासंगिकता।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :

सहभागी मूल्यांकन (पार्टीशिपेटरी इवैलुएशन) के विभिन्न उपागम कौन-से हैं ? आप भारत में प्रौढ़ शिक्षा के सन्दर्भ में उनका अनुप्रयोग कैसे करते हैं ?